

## 6. 8. *Premenie PÁNA*

Ανάμνησις τῆς Ἁγίας **Μεταμορφώσεως**  
τοῦ Κυρίου καὶ Θεοῦ καὶ Σωτῆρος ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ.

Ἐπιθεὶ πρὸς βραχέως ἁγία βραχέως ἡ ἐπεὶ ἡμεῖς ἴμεν χριστῶν.

---

### **Stichiry na Stichovne veľkej večierne (1. hlas)**

- Nápev podľa kriukových prameňov z 15.-17. storočia
- Preklad do kyjevskej notácie v duchu ruténskej tradície
- Aplikácia na súčasný csl. text

### ***Pramene***

---

S411, 414, 429, 450

---





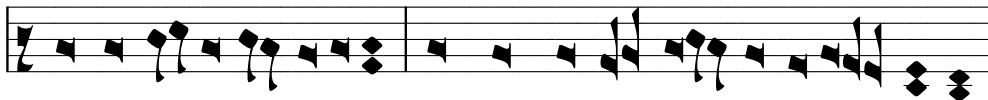
ПО - КА - ЗА НА - ЧА - ЛО - - О - БРА - З - НУ - Ю ДО - БРО - ТУ ЗРА - КА,



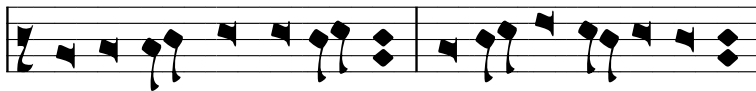
ВЗ СЕ БЪ ЧЕ - ЛО - ВЪ ЧЕ - СКО - Е ВОЕ - ПРІ - НМЪ СЪ - ЦЕ - СТВО:



И ЧА - КО - ВЪ - А БЪ - ГО - - ДА - ЧИ СВН - ДЪ - ТЕ - ЛН ПО - - СТА - ВЪ,



МЪ - Ъ - СЕ - А И И - ЛІ - Ю, О - БЩНН - КИ ТВО - РА - ШЕ ВЕ - СЕ - ЛІ - А,



ПРО - ВОЗ - ВЪ - ЦА - Ю - ЦЫ - А СЛА - В - НО - Е КЪ - ТА РА - ДН,



И СПА - СІ - ТЕ - ЛЬ - НО - Е ВОЕ - КРЕ - СЕ - НІ - Е.

Τὴν σὴν τοῦ μονογενοῦς Υἱοῦ 9 Προορώμενος, 5  
 ἐν Πνεύματι διὰ σαρκός, 8 πρὸς ἀνθρώπους ἐπιδημίαν, 9  
 ὁ θεοπάτωρ Δαυΐδ, 7

πόρρωθεν πρὸς ευφροσύνην 8  
 συγκαλείται τὴν κτίσιν, 7  
 καὶ προφητικῶς ἀνακράζει, 9

Θαβὼρ καὶ Ἐρμών 5 ἐν τῷ Ονόματί σου 7 ἀγαλλιάσονται, 6

Ἐν τούτῳ γάρ 4  
 ἐπιβάς τῷ ὄρει Σωτήρ 8  
 μετὰ τῶν μαθητῶν σου, 7  
 τὴν αμαυρωθεῖσαν ἐν Ἀδάμ φύσιν, 11

μεταμορφωθείς, 5 ἀπαστράψαι πάλιν πεποιήκας, 10  
 μεταστοιχειώσας αὐτήν, 8 εἰς τὴν σὴν τῆς θεότητος 8  
 δόξαν τε καὶ λαμπρότητα, 8

διὸ βωόμεν σοι, 6 Δημιουργέ τοῦ παντός, 7 Κύριε δόξα σοι. 6

**Ἑπίτιχος:** ТВОѦ ДѢТЬ НБІА, Н ТВОѦ ЁСТЬ ЗЕМЛѦ.



ТВО\_ \_ε\_ \_ \_ \_ ΓΩ Ἐ\_Δ\_Η\_Ν\_Ο\_ \_ρ\_Ο\_Δ\_ \_Ν\_Α\_ \_Γ\_Ω\_ Ε\_Β\_Ι\_ \_Ν\_Α



Π\_Ρ\_Ο\_Β\_Η\_ Δ\_Ε\_Β\_Σ Δ\_Ε\_Χ\_Ο\_Μ\_Σ Π\_Λ\_Ο\_Τ\_ \_Ε\_Κ\_Ο\_ \_Ε\_ Κ^Σ Χ\_Ε\_Λ\_Ο\_ \_Β\_Τ\_Ε\_ \_Κ\_Ω\_Μ^Σ Π\_Η\_ \_Σ\_Ε\_ \_Ε\_Τ\_Ε\_Τ\_Ι\_ \_Ε\_,



Β\_Ο\_ \_Γ\_Ο\_ \_Ο\_ \_Τ\_Ε\_Υ\_Σ Δ\_Α\_ \_Β\_Η\_Δ\_Σ,



Н\_З\_Δ\_Α\_Λ\_Ε\_ \_Ч\_А\_ Κ^Σ Β\_Ε\_ \_Ε\_Ε\_ \_Λ\_Ι\_ \_Ю\_ \_С\_Ο\_ \_З\_Ы\_ \_В\_А\_ \_ \_Ε\_Τ\_Σ Τ\_Β\_Α\_Р\_Ь



Н\_ П\_Р\_Ο\_ \_ρ\_Ο\_ \_Χ\_Ε\_ \_Ε\_Κ\_Η\_ Β\_З\_Ы\_ \_Β\_А\_ \_ \_Ε\_Τ\_Σ:



Δ\_Α\_ \_Β\_Ω\_Ρ\_Σ Н\_ Ἐ\_Ρ\_ \_Μ\_Ω\_Ν\_Σ ὦ\_ ἢ\_ \_Μ\_Ε\_ \_Η\_Η\_ Τ\_Β\_Ο\_ \_Ε\_Μ\_Σ Β\_Ο\_Σ\_ \_ρ\_Α\_ \_Δ\_Ε\_ \_ \_ \_Ι\_Ο\_Τ\_ \_ \_Ε\_Α\_.



НА І́Ю БО ВОЗ\_ШЕ́ДЪ ГО\_РЪ, І́П\_СЕ,



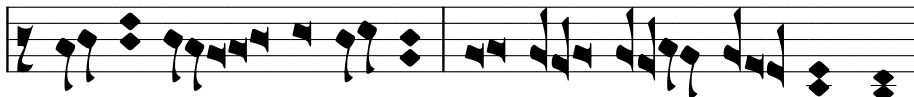
СО ОУ\_ЧЕ\_НН\_КН ТВО\_НІ\_МН, Ѡ\_ЧЕР\_НѢ\_В\_ШЕ\_Е А\_ДІ\_МО\_ВО Ѡ\_ПТЕ\_СТ\_ВѠ,



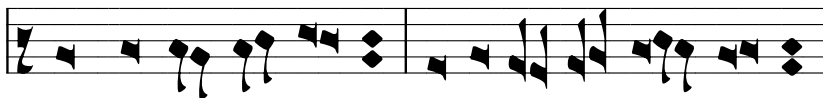
ПРЕ\_ОБ\_РЪЖ\_СА, Ѡ\_БЛН\_СТА\_ТИ ПА\_КН СО\_ТВО\_РІА\_З Ѡ\_И,



ПРЕ\_ТВО\_РІА\_З Ѡ



ВЗ ТВО\_Е\_ГѠ БО\_ЖЕ\_СТ\_ВА ІА\_ВЪ ЖЕ Н ІВѢ\_ТЛО\_СТЬ.



ТѢ\_МЖЕ БО\_ПІ\_ЕМЪ ТН: СО\_ДѢ\_ТЕ\_ЛЮ ВСА\_ЧЕ\_СКНУ\_З,



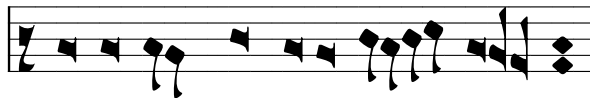
ГО\_СПО\_ДН, ІА\_ВА ТЕ\_БѢ.

Τό άσχετον 4 τῆς σῆς φωτοχυσίας, 7  
 καί απρόσιτον 5 τῆς θεότητος, 5  
θεασάμενοι 5 τῶν Αποστόλων οἱ πρόκριτοι, 9  
 ἐπὶ τοῦ ὄρους 5 τῆς Μεταμορφώσεως, 7  
 ἀναρχε Χριστέ, 5 τὴν θεῖαν ἠλλοιώθησαν ἐκστασιν, 11  
 καί νεφέλη 4 περιλαμφθέντες φωτεινή, 8  
 φωνῆς 2 ἤκουον Πατρικῆς, 8  
 βεβαιούσης τό μυστήριον 9  
 τῆς σῆς ενανθρωπήσεως, 8  
 ὅτι εἰς υπάρχεις 6 καί μετὰ σάρκωσιν, 6  
 Ὑῖος μονογενῆς 6 καί Σωτὴρ τοῦ κόσμου. 6

**Ἑπίγραμμα:** ΑΛΕΨΩΡΖ Η ΕΡΜΩΝΖ Ω ΗΜΕΝΗ ΤΒΟΕΜΖ ΒΟΖΡΑΔΕΤΑΩ.



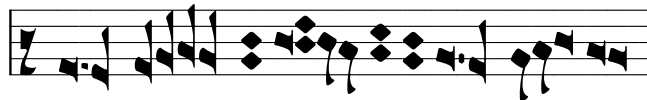
Η\_ε\_ω\_δερ\_κη\_μο\_ε\_τβο\_ε\_γω\_εβ\_ε\_το\_λη\_τι\_ω,



η\_νε\_πρη\_ετ\_δ\_π\_νο\_ε\_βο\_ζε\_ετ\_β\_α,



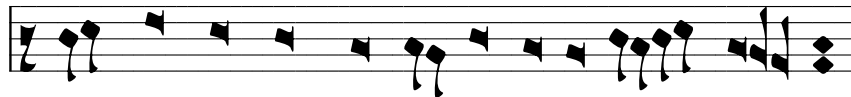
ζ\_ρα\_ψε\_α\_πο\_ε\_το\_λω\_β\_ζ\_α\_ψ\_ι\_η,



η\_α\_γο\_ρ\_ε



π\_ρε\_ω\_β\_ρα\_ζε\_η\_ι\_ω, β\_ε\_ζ\_η\_α\_χ\_α\_λ\_β\_η\_ε\_χ\_ρ\_ι\_στε,



β\_ο\_ζε\_ε\_τ\_β\_ε\_ν\_η\_μ\_ι\_μ\_ζ\_η\_ζ\_μ\_ε\_β\_η\_η\_σ\_α\_ε\_ω\_α\_ψ\_ι\_ζ\_α\_ε\_ο\_μ\_ι\_ζ,



и ѿ - бла - комъ ѡ - сѣ - ав - ше - са свѣ - - тлымъ,



гласъ глы - ша - хъ ѿ - - тѣчь,



из - вѣ - ствѣ - ющъ тѣ - нн - ство тво - е - гѡ во - че - ло - вѣ - - че - - нї - а,



ѡ - кв ѣ - днѣ ѣ - сѣ и по во - пло - щѣ - нї - н,



снѣ ѣ - дн - но - рѡ - д - ный, и е - сѣ мѣ - ра.

### Δόξα... Καί νύν..., Ἦχος πλ. β'

Πέτρω καί Ιακώβω καί, Ιωάννη, τοῖς προκρίτοις μαθηταῖς σου Κύριε, σήμερον υπέδειξας ἐν τῷ ὄρει τῷ Θαβώρ, τὴν δόξαν τῆς θεϊκῆς σου μορφῆς ἐβλεπον γάρ τὰ ἰμάτιά σου, ἀστράψαντα ὡς τὸ φῶς καί τὸ πρόσωπόν σου ὑπὲρ τὸν ἥλιον καί μή φέροντες ὁρᾶν τὸ ἀστεκτον τῆς σῆς ἐλλάμψεως, εἰς γῆν κατέπιπτον, μηδὲ ὡς ἀτενίσαι ἰσχύοντες, Φωνῆς γάρ ἤκουον μαρτυροῦσης ἀνωθεν, Οὗτός ἐστιν ὁ Υἱός μου ὁ ἀγαπητός, ὁ ἐλθὼν εἰς τὸν κόσμον σῶσαι τὸν ἄνθρωπον.

### Γλῶσσα, ἡ ἡβραϊκή, γλῶσσα Ἑ:

Πετρὸς ἡ ἰακώβω ἡ ἰωάννη, ἀδελφίμοις ἀγαπητοῖς σου Κύριε, σήμερον ἐπέδειξας ἐν τῷ ὄρει τῷ Θαβώρ, τὴν δόξαν τῆς θεϊκῆς σου μορφῆς ἐβλεπον γάρ τὰ ἰμάτιά σου, ἀστράψαντα ὡς τὸ φῶς καί τὸ πρόσωπόν σου ὑπὲρ τὸν ἥλιον καί μή φέροντες ὁρᾶν τὸ ἀστεκτον τῆς σῆς ἐλλάμψεως, εἰς γῆν κατέπιπτον, μηδὲ ὡς ἀτενίσαι ἰσχύοντες, Φωνῆς γάρ ἤκουον μαρτυροῦσης ἀνωθεν, Οὗτός ἐστιν ὁ Υἱός μου ὁ ἀγαπητός, ὁ ἐλθὼν εἰς τὸν κόσμον σῶσαι τὸν ἄνθρωπον.